हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 5 अगस्त 2025

11 सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी ने राशन डिपो...

12 जियो फेसिंग अटैडेंस के विरोध में एक घंटे कामकाज ठप

कॉलेजों में 52 प्रतिशत सीट खाली, स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए 6 से ओपन होगा पोर्टल

- कॉलेजों में स्नातकोत्तर विषय की दाखिला प्रक्रिया जारी, आज होगी फिजिकल काउंसिलिंग
- प्रथम चरण की दाखिला प्रक्रिया शुरू समाप्त, अब ओपन काउंसिलिंग के माध्यम से होंगे दाखिले
- महेंद्रगढ़ के दोनों कॉलेजों में 260 सीटों में से 121 सीट पर हुए है दाखिले, 139 सीट है अभी भी खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

कॉलेजों में स्नातकोत्तर विषय में दाखिले के लिए प्रथम चरण की दाखिला प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। अब फिजिकल काउसिलिंग के माध्यम से दाखिले होंगे। 5 अगस्त को फिजिकल काउंसिलिंग होगी। वहीं 6 अगस्त से आवेदन के लिए पोर्टल एक बार फिर से ओपन होगा। इस दौरान दाखिले से वंचित विद्यार्थी भी आवेदन कर सकेंगे। महेंद्रगढ़ के दोनों कॉलेजों में अभी भी 52 प्रतिशत सीट खाली है।

बता दें कि उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार 16 जुलाई से 28 जुलाई तक आवेदन प्रक्रिया चली थी। 17 से 29 जुलाई तक ओटीपी के माध्यम से विद्यार्थी अपने आवेदन में बदलाव कर सकते थे। 17 से 29 जुलाई तक आवेदन पत्रों की जांच शुरू हुई थी। 30 जुलाई को पहली प्रोविजिनल मेरिट लिस्ट जारी हुई थी। वहीं 31 जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट जारी की गई थी। एक अगस्त से चार अगस्त तक पहली मेरिट लिस्ट शामिल विद्यार्थियों को फीस जमा कर दाखिला लेने का समय दिया गया है। पांच अगस्त को फिजिकल काउंसिलिंग होगी। इसके बाद छह अगस्त से आवेदन के लिए पोर्टल से फिर से ओपन होगा। 12 अगस्त तक विद्यार्थी 100 रुपये लेट फीस के साथ आवेदन कर सकेंगे। वहीं 13 से 19 अगस्त तक प्रतिदिन 100 रुपये लेट फीस देकर आवेदन कर सकेंगे। विद्यार्थियों को आवेदन के लिए आवेदन पत्र की प्रति, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), आय प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), पासपोर्ट साइज फोटो साथ लेकर आनी होगी।

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़ के दोनों कॉलेजों में 52 प्रतिशत सीट है खाली

राजकीय महिला महिला में पीजी कोर्स की तीन कक्षाएं चल रहीं है। महिला कॉलेज में एमए अंग्रेजी की 40 सीट में से 22 पर दाखिले हो चुके है। वहीं 18 सीट खाली है। वहीं एमकॉम 40 में से 28 सीट खाली है तथा एमएससी ज्योग्रफी में 40 में से 32 सीट खाली है। इसी प्रकार राजकीय महिला महाविद्यालय में एमए अंग्रेजी में 50 में से 17 सीट खाली है। एमए हिंदी में 50 में से 23 सीट खाली है तथा एमएससी कैमेसट्रि में 40 में से 21 सीट खाली है।

फिजिकल काउंसिलिंग के माध्यम से होंगे दाखिले

राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रभा पूर्णा ने बताया कि स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में शेष बची हुई सीटों पर फिजिकल काउंसलिंग के माध्यम से दाखिले होंगे। जिन विद्यार्थियों का नाम प्रथम मेरिट सूची में नहीं आया है वह 5 अगस्त को सुबह 9 बजे से दोपहर एक बजे तक महाविद्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर संबंधित प्रवेश समिति से संपर्क कर सकते हैं। यह अवसर केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए मान्य होगा, जिन्होंने पूर्व में आनलाइन आवेदन किया हुआ है, परंतु उन्हें अभी तक प्रवेश नहीं मिला है। वहीं छह अगस्त से दाखिले के लिए पोर्टल फिर से ओपन होगा। इस दौरान दाखिले से वंचित विद्यार्थियों आवेदन करने का अवसर दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए फिजिकल काउंसलिंग आज

नारनौल। नए शिक्षा सत्र 2025-26 में पीजी प्रथम वर्ष (एमए/एमएससी/एमकॉम आदि) में रिक्त/शेष रह गई सीटों हेतु 5 अगस्त को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया जाएगा। एडमिशन इंचार्ज डा. सतीश सैनी ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी मूल दस्तावेजों सहित निर्धारित समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

कॉलेजों में दाखिले के लिए दोबारा पोर्टल खोला

मंडी अटेली। उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा नए शैक्षणिक सत्र में पीजी कक्षाओं में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। अब मेरिट के आधार पर जारी की गई पहली सूची में शामिल विद्यार्थी फीस जमा करवा रहे हैं। वहीं अब जिले के कॉलेजों में दाखिले के लिए दोबारा पोर्टल खोला दिया गया है। जिसको लेकर राजकीय महाविद्यालय सिहमा के प्राचार्य डा. सुनील कुमार ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय सिहमा में एडमिशन लेने के लिए पोर्टल दोबारा खोल दिया गया है। विद्यार्थी पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दाखिला ले सकते हैं।

बिजली सप्लाई दिनभर रही बंद

मंडी अटेली। बिजली की तकनीक खराबी के चलते एक दर्जन गांवों की बिजली सप्लाई लगभग 13 घंटे बाधित रही जिसके चलते रोजमर्रा के कार्य प्रभावित हुए। गांव कांटी में स्थापित 33 केवी पावर हाउस से रात 2 बजे से बिजली सप्लाई बंद हो गई थी, जिससे कांटी, खेड़ी, नावदी, रामपुरा, बिहाली, बांस, पृथ्वीपुरा, राजपुरा सैदपुर, नीरपुर राजपूत गांव अंधेरे में डूबे रहे। निगम के कर्मचारियों की 13 घंटे की मशक्कत के बाद शाम तीन बजे बिजली सप्लाई को चालू किया गया। वहीं बिजली निगम अटेली भगवान सिंह जेई ने बताया कि रात के समय अटेली स्थित 133 केवी पावर हाउस में पैनल में खराबी हो गई थी।

ज्ञापन देकर उठाई मांग, कॉलेज का नाम शहीद राजा राव तुलाराम के नाम से हो

ट्रैक्टर लेकर पहुंचे कोरियावास मेडिकल कॉलेज के आंदोलनकारी ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

कोरियावास मेडिकल कॉलेज का नाम राजा राव तुलाराम के नाम से रखने की मांग को लेकर कोरियावास के ग्रामीण लगभग 100 पंचायतों का समर्थन लेकर सोमवार को ट्रैक्टर रैली के माध्यम से जिला मुख्यालय पहुंचे। गांव कोरियावास मेडिकल कॉलेज चला ट्रैक्टर–ट्रालियों का काफिला जैसे ही लघु सचिवालय के समीप पहुंचे तो पुलिस ने ट्रैक्टरों के रैले को रोक दिया। इस दौरान ग्रामीणों एवं पुलिस के बीच नौक–झोंक भी हुई, लेकिन अंततः इस ट्रैक्टर काफिले को रोक दिया गया और केवल एकमात्र ट्रैक्टर को ही सचिवालय परिसर में प्रवेश दिया गया। इस प्रदर्शन में सैकड़ों महिला–पुरुषों ने भाग लिया और मेडिकल कॉलेज का नाम महर्षि च्यवन ऋषि से बदलकर राजा राव तुलाराम के नाम से रखने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने उपायुक्त डा. विवेक भारती को पंचायतों के मिले प्रस्तावों का एक ज्ञापन भी सौंपा।

लघु सचिवालय में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सरपंच प्रतिनिध नौनिहाल सिंह ने कहा कि 4 मई 2023 को मेडिकल कॉलेज का नामकरण शहीद स्वतंत्रता सेनानी राजा राव तुलाराम के नाम से करने का प्रस्ताव जारी किया गया था। इतना ही नहीं, 26 मई को रात्रि ठहराव के दौरान दौंगड़ा अहीर आए तत्कालीन सीएम मनोहर लाल खट्टर से वह सरपंच प्रतिनिधि के रूप में मिले और नामकरण का ज्ञापन भी सौंपा था, तब उन्होंने आश्वासन भी दिया था।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को भी ज्ञापन दिया गया, लेकिन इसके बावजूद नाम बदल दिया गया। अब 92 दिनों से लगातार धरना चल रहा है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा की हालत एक समय वैसी थी, जब हम दो हमारे दो विज्ञापन चलता था। हरियाणा प्रदेश में उसी की सरकार बनी है, जिसके साथ राव इंद्रजीत सिंह चलते हैं। जब राव इंद्रजीत सिंह भाजपा के साथ आए तो इनकी भी सरकार बनवा दी, लेकिन अब हमारी ही उपेक्षा की जा रही है। यह शहीदों का अपमान है। राजा राव तुलाराम के नेतृत्व में नसीबपुर में लड़ी गई लड़ाई में इलाके के पांच हजार सैनिकों ने एकसाथ शहादत थी, लेकिन अब उनके नाम से खिलवाड़ किया जा रहा है। यह शहीदों का अपमान है। 80 एकड़ मुफ्त में सरकार को हमारे गांव ने दी और अब हमारी ही नहीं सुनी जा रही। हमारी सरकार से मांग है कि मेडिकल कॉलेज का नाम राजा राव तुलाराम के नाम से ही रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बड़े कमाल की बात है कि महर्षि च्यवन ने जहां तपस्या की, उस गांव ढोसी ही नहीं, राजस्थान के गांव ठाठवाड़ी की पंचायत ने भी लिखित में राव तुलाराम के नाम पर प्रस्ताव देकर सहमति जताई है।

नारनौल। प्रदर्शन करते हुए कोरियावास मेडिकल कॉलेज के आंदोलनकारी व ज्ञापन पढ़कर सुनाते सरपंच प्रतिनिधि नौनिहाल सिंह। फोटो : हरिभूमि

तथाकथित शुभचिंतक धरने पर क्यों नहीं आते

प्रदर्शनकारी विकास बड़कोदा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज वह 100 ट्रैक्टर लेकर आए हैं, अगली बार 1000 ट्रैक्टर लेकर आएंगे। उस दिन हम सारे बेरिकेट्स तोड़ देंगे और अंदर जाएंगे। यदि हमारी मांग फिर भी नहीं मानी तो मेडिकल कॉलेज पर ताला लगा देंगे। उन्होंने बगैर नाम लिए एक पूर्व मंत्री पर टिप्पणी करते हुए कहा कि काहे का पूर्व मंत्री। कृपापात्र व्यक्ति 2014 में हमारे नेता की कृपा से चुनाव जीत गया। उसकी बात को सीरियस लेने की आवश्यकता नहीं है। वह हार गया। जनता ने उसको हरा दिया। वह अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए लेटरबाजी करता है। अगर वह इतना ही सच्चा है और इस कौम व इलाके का हितैषी है तो आओ ना धरने पर। तथाकथित शुभचिंतक को यहां की जनता सब समझती है। यह दिखावेबाजी एवं खोखलापन बंद करो।

डीसी को करना पड़ा इंतजार

जब ग्रामीण प्रदर्शनकारी सचिवालय के अंदर प्रवेश कर गए, तब गेट पर भारी पुलिस बल तैनात था। तब कुछ ग्रामीणों ने कहा कि डीसी साहब को यहां हमारे ट्रैक्टर–ट्राली में चढ़कर यहीं पर ज्ञापन लेना चाहिए। इस पर वरिष्ठ ग्रामीणों ने उन युवाओं को समझाया और शांति बनाए रखने की अपील की। बाद में सूचना के आधार पर डीसी ज्ञापन लेने भी आए गए, लेकिन ग्रामीणों ने कहा कि वह पहले इसे पढ़कर सुनाएंगे। इसके बाद सरपंच प्रतिनिधि नौनिहाल यादव ने ज्ञापन पढ़ना शुरू किया। ज्ञापन पढ़े जाने तक डीसी डा. विवेक भारती भारी पुलिस बल के बीच इंतजार करते रहे। उन्हें सीटीएम मंगल सैन एसिस्ट कर रहे थे। बाद में ग्रामीणों ने उन्हें सामूहिक रूप से ज्ञापन दिया। ज्ञापन लेने उपरांत कुछ ग्रामीणों को डीसी अपने कार्यालय लेकर गए, जहां उनसे बात की।

नारनौल। डीसी डा. विवेक भारती को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण व पुलिस द्वारा सचिवालय से बाहर रोके गए ट्रैक्टर। फोटो : हरिभूमि

ट्रैक्टर रैली को पुलिस ने रोका

यह ट्रैक्टर रैली जब महेंद्रगढ़ रोड से होते हुए सचिवालय की तरफ जा रही थी, तब पुलिस ने उसे रास्ते में ही रोक दिया। पुलिस का कहना था कि वह ट्रैक्टर को अंदर नहीं जाने देंगे। इस पर ट्रैक्टरों में सवार लोगों एवं पुलिस के बीच गर्मागम बहसबाजी हो गई तथा कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई। इस दौरान सदर एसएचओ धर्मबीर ट्रैक्टरों के रास्ते में खड़े हो गए। बाद के प्रशासनिक हस्तक्षेप के उपरांत सुरक्षा की दृष्टि से ट्रैक्टरों को सचिवालय बाउंड्री से बाहर ही रोक दिया गया, जबकि पब्लिक को अंदर जाने दिया गया।

यह रहे मौजूद: प्रदर्शनकारियों में वरिष्ठ नेता राव होशियार सिंह, खातौली के सरपंच विक्रम फौजी, जेपी यादव, शेरसिंह प्रधान, धरना कमेटी मैंबर सुबेसिंह नंबरदार, बनवारी नेताजी, पतराम बाबूजी, रोहतास ठेकेदार, अमर सिंह पहलवान, बुद्धराम फोरमैन, सूरत सिंह नेताजी, बलवंत नंबरदार, रघुबीर सेठ, प्रवीण वाइस चेयरमैन, अनिल मांदी, तेजप्रकाश रघुनाथपुरा, पवन कुमार बलाहा, अभयसिंह बौहराजी बलाहा, बहादुर सरपंच खोड़मा, दिनेश कांवी, सतपाल मौखूता व कृष्ण कुमार नेताजी मौखूता, सूबेदार धर्मवीर, विरेंद्र सिंह, लक्ष्मीनारायण, शक्ति सिंह, शेरसिंह, लालचंद व राजेश आदि अनेक महिलाएं भी शामिल थी।

नारनौल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली का भाजपा जिला कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव की अध्यक्षता में स्वागत किया। इस मौके पर विधायक ओमप्रकाश यादव, महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल, पूर्व मंत्री अभय सिंह यादव, पूर्व विधायक सीताराम यादव उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते हुए कहा कि पंडित मोहन लाल निरंतर संगठन के कार्य के लिए पूरे प्रदेश में कार्यकर्ताओं के बीच में प्रवास करते रहते हैं। उनकी उपस्थिति कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार करती है।

प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कहा कि भाजपा एक विचारधारा आधारित पार्टी है, जिसकी ताकत इसके कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी पदाधिकारी समर्पण भाव से कार्य करें, ताकि संगठन व पार्टी और अधिक मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का फर्ज बनता है कि वह पार्टी के सभी कार्यक्रमों में समाज के अंतिम व वंचित व्यक्तियों को जोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को गांव गांव जाकर जनता से संवाद स्थापित करना चाहिए और भाजपा सरकार की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाना चाहिए। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन गोविंद भारद्वाज, प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट राकेश शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष अजीत कलवाड़ी आदि मौजूद थे।

गाहड़ा में नाबालिग युवक ने रचाई शादी, 4 नामजद

कनीना। क्षेत्र के एक गांव में नाबालिक युवक द्वारा शादी करने की शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपित युवक सहित चार व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे में गांव के जगदीश प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ को शिकायत दी थी। जिस पर संज्ञान लेते हुए एसपी ने थाना इंचार्ज को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जगदीश प्रसाद ने कहा कि सुक्रमपाल ने अपने पुत्र की शादी बीते अप्रैल माह में की थी। जिसकी उम्र 20 वर्ष की है। उन्होंने कहा कि सरकार एवं प्रशासन बाल विवाह अधिनियम को सख्ती से लागू करने के लिए कदम उठा रही है। नाबालिक लड़की व लड़के की शादी न हो इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता वरिष्ठ नागरिक, सेवानिवृत्त लोक सेवक व एक सतर्क नागरिक हैं, जो उनकी शादी से तथ्यों को आपके सामने लाना चाहता है। सुक्रमपाल पुलिस में कार्यरत है। उनके बेटे की जन्म तिथि शैक्षणिक दस्तावेजों के अनुसार 16 मार्च 2005 है। जिसकी शादी को 23 अप्रैल 2025 को सम्पन्न हुई है, जबकि वह नाबालिग था। सुक्रमपाल व उनकी पत्नी मिंटू पूरी तरह से जानते थे कि उनके बेटे की आयु 21 साल पूरी नहीं हुई है। जगदीश प्रसाद की शिकायत पर थाना पुलिस ने आरोपित सुक्रमपाल, मिंटू व उनके बेटे के अलावा लड़की की माता संतोष देवी के खिलाफ बाल विवाह अधिनियम 1929 के प्रावधानों सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

यात्रियों की सुविधा के लिए मदार-रोहतक मदार स्पेशल रेलसेवा का संचालन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रेलवे की ओर से आगामी त्योहारों पर यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियो की सुविधा हेतु मदार-रोहतक-मदार स्पेशल (प्रतिदिन) रेलसेवा का संचालन किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 09639 मदार-रोहतक स्पेशल (प्रतिदिन) रेलसेवा आठ अगस्त से 10 अगस्त तक (तीन ट्रिप) मदार से प्रतिदिन 04:30 बजे रवाना होकर 12:50 बजे रोहतक पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09640 रोहतक-मदार स्पेशल (प्रतिदिन) रेलसेवा आठ अगस्त से 10 अगस्त तक (तीन ट्रिप) रोहतक से प्रतिदिन 13:20 बजे रवाना होकर 22:35 बजे मदार पहुंचेगी।

स्पेशल रेलसेवा की समय-सारणी

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	04:30	मदार	22:35	—
04:41	04:43	किशनगढ	21:24	21:26
05:15	05:17	नरेना	20:37	20:39
05:31	05:33	फुलेरा	20:20	20:25
06:03	06:05	रेनवाल	19:08	19:10
06:17	06:19	बधाल	18:50	18:52
06:33	06:38	रींगस	18:25	18:30
06:51	06:53	श्रीमाधोपुर	18:00	18:02
07:09	07:11	कावंट	17:44	17:46
07:25	07:27	भगेगा	17:28	17:30
07:38	07:40	नीम का थाना	17:16	17:18
07:50	07:52	मांवडा	17:04	17:06
08:07	08:09	डाबला	16:48	16:50
08:20	08:22	निजामपुर	16:35	16:37
08:40	08:42	नारनौल	16:20	16:22
09:08	09:10	अटेली	16:05	16:07
09:41	09:43	कुण्ड	15:50	15:52
10:40	10:50	रेवाडी	15:20	15:30
10:57	10:58	गोकलगढ	14:33	14:35
11:19	11:21	झाज्जर	14:03	14:05
12:20	12:22	अस्थल बोहर	13:33	13:35
12:50	—	रोहतक	—	13:20

रेलसेवा में 16 साधारण व दो गार्ड डिब्बों सहित कुल 18 डिब्बें होंगे।

शहर में साफ-सफाई व निकासी व्यवस्था का लिया जायजा

कनीना शहर के विकास के लिए पार्षद एकजुट होकर करें कार्य: डीएमसी

- पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण करने व टूटी सड़क को दुरुस्त करवाने के लिए हरपथ एप का करें इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

जिला नगर पालिका आयुक्त रणबीर सिंह ने सोमवार को शहर का औचक निरीक्षण कर साफ सफाई व पानी निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। डीएमसी जिस वक्त कनीना पहुंचे तब नगर पालिका के किसी भी कर्मचारी को भनक तक नहीं लगी। उन्होंने शहर की विभिन्न साईटों पर पहुंचकर अवलोकन किया। जानकारी मिलने पर नपा सचिव कपिल कुमार, नपा चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा सहित पार्षद भी वहां पहुंचे। इसके बाद नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर उन्होंने कांफ्रेस हॉल के हालात देखे।

सफाई का भी अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने पार्षदों के साथ बैठक कर वार्डों की स्थिति जानी। चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा व सचिव कपिल कुमार सहित पार्षदों ने उनका अभिनंदन किया। डीएमसी रणबीर सिंह ने बैठक में कहा कि सभी पार्षद एकजुट होकर शहर के विकास पर फोकस करें। शहर में साफ सफाई, सीवरेज, पानी निकासी तथा वाहन पार्किंग व्यवस्था को दुरूस्त रखने के लिए अपने स्तर पर स्थाई समाधान खोजें।

कनीना के 14 वार्डों में रोजमर्रा से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा जो कार्य उनकी स्वीकृति से होने से हैं, उनके प्रस्ताव पारित कर भिजवाएं। उन्होंने नगर में सफाई व्यवस्था के लिए लगे वाहनों पर मोबाइल शिकायत नम्बर अंकित करवाने, टूटी सड़क को दुरुस्त करवाने के लिए हरपथ एप का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। बारिश के मौसम में सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ तथा पौधो लगाओ ऑक्सीजन पाओ के लिए अभियान चलाने की बात कही।

नपा चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा व सचिव कपिल कुमार पार्षदों व आमजन के सहयोग से अभियान को गति देने का आश्वासन दिया। इतना ही नहीं उन्होंने पेयजल टंकियों की सफाई पर फोकस किया। उन्होंने कहा कि बीमारियों से निजात पाने के लिए स्वच्छता रखना जरूरी है। आमजन अपने घरों के समीप सफाई रखे तथा निकासी व बरसात के पानी को न ठहरने दे। डॉ. रिंपी लोढ़ा ने कहा कि विषाणु जीवाणु रोग नियंत्रण करने के लिए डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसे रोगों से बचाव के उपाय किए जाएंगे। स्वास्थ्य, शिक्षा, पीएचईडी व समाज कल्याण विभाग की ओर से इसमें सहयोग लिया जाएगा। ऐसे कार्यों की मोनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। इस मौके पर नगर पालिका पार्षद राजेंद्र सिंह लोढ़ा, नितेश गुप्ता, राजकुमार यादव, दीपक चौधरी, होशियार सिंह आदि मौजूद थे।

कनीना। नगर पालिका कार्यालय में आयोजित बैठक में विकास कार्यों पर चर्चा करते डीएमसी रणबीर सिंह।

विशेष
रक्षाबंधन
9 अगस्त

रक्षाबंधन
कभी ना कमजोर हो रिश्तों की डोर

भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक पर्व है रक्षाबंधन। इस दिन जब बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है, तो दोनों के रिश्ते और गहरे होते हैं। समय के बदलाव के साथ इस रिश्ते के ताने-बाने कमजोर हो रहे हैं। इसलिए जरूरी है, रक्षाबंधन के मूल्यों को सहेजा जाए ताकि भाई-बहन के रिश्तों की ऊष्मा कम ना हो।

आवरण कथा
यशोधरा भटनागर

रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक अनुभूति है। बहन की कोमल भावनाओं से बुनी-गूंथी रेशम की डोर भाई की कलाई पर बंध उसके मन को बांध लेती है। उस रिश्ते की गहराइयों में उतर जाती है, जिसमें न अपेक्षा होती है, न शर्त। एक निस्वार्थ भावना, रक्षा और पावन स्नेह राखी की कच्ची डोर को मजबूती से बांधे रखती है।

एक भावनात्मक परंपरा

रक्षाबंधन स्मृतियों, स्नेह और संबंधों की एक ऐसी भावनात्मक परंपरा है, जो हर साल भाई-बहन के अटूट बंधन को नए अर्थ देती है। एक रेशमी धागा, जो पीढ़ियों से बहन की आशा और भाई की जिम्मेदारियों को जोड़ता आ रहा है। समय के साथ बहन ने भाई की जिम्मेदारी भी खुशी-खुशी अपने कंधों पर उठा लेने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। पहले राखी का त्योहार केवल मनाया ही नहीं जाता था, जिया जाता था। रक्षाबंधन का उत्साह लिए बड़ी बुआ, जिनके बालों में सफेदी और चेहरे पर अनुभवों का प्रकाश होता, वह पूरे हर्षोल्लास से भाई के घर आतीं, मायके का आंगन उनके आगमन से महक उठता।

हंसी-ठिठोली और प्रेम से भरा त्योहार

एक समय ऐसा था जब, *'साल भरे में एक बार त्योहार जे पावन आवै, पहुंच जाऊं मायके जल्दी से मोरों जी हरसावै...'* गीत गाती बुआएं बैठे-बैठे सिवइयां तोड़ देतीं। अम्मा घर पर ही सुंदर-सुंदर कपड़े सिल लेतीं। मां, बुआओं और बेटियों की कलाई पर रंग-बिरंगी चूड़ियां खनखनातीं, हाथों की मेहंदी की सुवास त्योहार में कुछ अलग रंग भर देता। पाजेबों की रुनझुन मधुर संगीत गढ़ लेती। रेशम की लच्छियों से बनी राखियों में बहनें, भाई के लिए अपना सारा स्नेह उड़ेल देतीं। रक्षाबंधन की सुबह ही बड़े उत्साह से चावल, रोली, नारियल और मिठाइयों से थाल सजाया जाता। हंसी-ठिठोली और प्रेम से सराबोर हो त्योहार मन जाता। चाव से लड्डू खाता भाई, आरती उतारती बहन को नेग के लिए खूब सताता। फिर शुरू हो जाती प्यार भरी लड़ाई तो अम्मा शगुन रख यह प्यारा सा झगड़ा सुलझा देतीं।

बहुत बदल गए हैं अहसास

एक समय था, रिश्ते खून के नहीं, भावना के होते थे। राखी

भाई का वचन होती थी- *'तेरे दुःख से पहले मैं आऊंगा बहन।'* और बहन की नजरें कहती थीं- *'जब तू है तो मुझे किसी और की जरूरत नहीं।'* आज ऐसे एहसास ढूंढे नहीं मिलते। आधुनिक जीवन की आपा-धापी में रक्षाबंधन भी एक कैलेंडर इवेंट बन गया है। भाई-बहन के पास समय नहीं है, भावनाएं स्क्रीन पर सिमट गई हैं। राखी अब ई-कॉमर्स के डिब्बों में आती है। प्रेम उसमें बंधे नोट में नहीं, साथ बिताए समय में था, जो अब दुर्लभ होता जा रहा है। आज जब मोबाइल फोन पर प्रियंका ने राखी भेजी और मीटिंग में उलझे भाई बिट्टू ने दो पल का समय निकाल कर 'हैप्पी रक्षाबंधन' कहा तो वह मुस्कुरा तो दी, पर भीतर कहीं एक रिक्तता तैर गई। कॉल कटते ही उसका चेहरा बुझ गया। याद हो आए वो दिन, जब रक्षाबंधन का त्योहार कई दिन पहले ही अंदर बाहर उत्साह भर देता था। भाई के लिए थाली वह कितने प्यार से सजाती थी। मिठाई में बिट्टू की पसंद के रसगुल्ले जरूर होते और वह एक के एक करके गपागप कितने ही सटका जाता। नेग के नाम पर कहता, 'जिज्जी ढेर सारा प्यार दे तो रहा हूं' या कभी चॉकलेट का खाली रैपर रख देता। लड़-झगड़ कर वह भी मोटा नेग लेती थी। यह सब याद कर एक हंसी उसके चेहरे पर तिर आई। वह धीरे से बुदबुदाई, 'सदा ऐसे ही खुश रहो मेरे प्यारे भाई!'

रिश्तों को सहेजने वाला पर्व

रक्षाबंधन केवल एक रस्म नहीं, यह रिश्तों को समय देकर, उन्हें सहेज कर, पीढ़ियों से जोड़ने का एक माध्यम है। आज जब जिंदगी की आपा-धापी में बहुत कुछ छूट रहा है, तो जरूरी है कि हम उन भावनात्मक डोरियों से फिर से बंधें। थोड़ी देर साथ बैठें, बात करें, यादें ताजा करें और अपनों को ये एहसास दिलाएं कि रक्षाबंधन का दिन हमारे जीवन के सबसे सुंदर दिनों में से एक है।

राखी के धागों की पकड़ सहेजें

राखियां डिजिटल हो सकती हैं, मिठाइयां ऑनलाइन मिल सकती हैं, पर... बड़ी बुआ के हाथों की कांपती अंगुलियों से बंधी राखी, मुंहबोली बुआ की आंखों में छलकता प्यार, ये अनुभव किसी स्क्रीन पर नहीं, सिर्फ दिल में उतरते हैं। इस रक्षाबंधन, क्यों न हम राखी केवल भेजें नहीं, बल्कि इसे जिएं। क्यों न हम फिर से लौटें उन लम्हों की ओर, जो हमारी असली पूंजी हैं! क्योंकि रिश्तों की असली मिठास न रसगुल्लों में है, न उपहारों में, वो तो बस एक बात में छुपी है, जब भाई कहता है, 'बहन मैं हूं... तुम्हारे साथ... हमेशा-हमेशा।' फिर इस पर 'भाई तेरी खुशी में ही मेरी खुशियां हैं।' ऐसी बातों में और बहन की मुस्कान में भाई का गर्व छुपा होता है और भाई की आंखों में बहन का संसार। तो आइए इस रक्षाबंधन एक बार फिर से रिश्तों की गर्माहट को महसूस करें, उस डोर को फिर से सहेजें, जो शायद ढीली पड़ गई पर टूटी नहीं है।

भाई-बहन के प्रगाढ़ प्रेम का पर्व रक्षाबंधन

रक्षाबंधन के अवसर पर अपने भाई की कलाई पर आप भी जरूर राखी बांधेंगी। अगर आप वास्तु नियमों के अनुसार इस परंपरा को निभाएं तो इससे बहुत शुभ फलों की प्राप्ति होगी और आप दोनों का आपसी प्रेम सदैव बना रहेगा।

पर्व-परंपरा
अनीता जैन

रक्षाबंधन का पर्व भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के स्नेह, आत्मीयता और आपसी विश्वास का प्रतीक है। इस विशेष दिन बहन अपने भाई के ललाट पर तिलक कर उसकी कलाई पर रक्षासूत्र बांधती है। भाई आजीवन अपनी बहन की रक्षा करने का वचन देता है। यह पर्व मात्र एक रस्म नहीं, बल्कि आत्मीयता, दायित्व और आपसी प्रेम का ऐसा बंधन है, जो उम्र भर साथ निभाता है। इस दिन का धार्मिक, पौराणिक और वास्तु शास्त्र से जुड़ा महत्व भी है, जिसे समझकर और विधिपूर्वक पालन कर इस पर्व को और अधिक फलदायी और शुभ बनाया जा सकता है। अच्छे मुहूर्त और भद्रारहित काल में भाई की कलाई पर राखी बांधने से भाई को कार्यसिद्धि और हर कार्य में सफलता प्राप्त होती है।

ऐसे बांधें राखी

वास्तु के अनुसार घर का मुख्य द्वार वह प्रमुख स्थान है, जहां से सकारात्मक ऊर्जा घर के भीतर प्रवेश करती है, जो आपकी और भाई की समृद्धि के लिए मददगार हो सकती है। रक्षाबंधन के दिन मुख्य द्वार पर ताजे फूलों और पत्तियों से बनी बंधनवार लगाएं और रंगोली से घर को सजाएं। पूजा के लिए एक थाली में स्वास्तिक बनाकर उसमें चंदन, रोली, अक्षत, राखी, मिठाई और कुछ ताजे फूलों के बीच में एक घी का दीया रखें। दीपक प्रज्वलित कर सर्वप्रथम अपने इष्टदेव को तिलक लगाकर राखी बांधें और आरती उतार कर मिठाई का भोग लगाएं। फिर भाई को पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठाएं। इसके बाद उनके सिर पर रुमाल या कोई वस्त्र रखें। अब भाई के माथे पर रोली-चंदन और अक्षत का तिलक लगाकर उसके हाथ में नारियल दें। इसके बाद येन बद्धो बलि राजा, दानवेंद्रो महाबलः। तेन त्वाम प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचलः। इस मंत्र को बोलते हुए भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधें। भाई की आरती उतार कर मिठाई खिलाएं और उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए भगवान से प्रार्थना करें। इसी दिन देवताओं, ऋषियों और पितरों का तर्पण करने से परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बढ़ती है। इस दिन आप नदियों, तीर्थों, जलाशयों आदि में स्नान और दान-पुण्य करके ईष्ट कार्य भी सिद्ध कर सकते हैं।

राखी बांधने के नियम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषों और अविवाहित कन्याओं को दाएं हाथ में रक्षासूत्र बांधना चाहिए वहीं विवाहित स्त्रियों के लिए बाएं हाथ में राखी बांधने का विधान है। भाइयों को राखी बंधवाते समय उस हाथ की मुट्ठी को बंद रखकर दूसरा हाथ सिर पर रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र में काले रंग को औपचारिकता, बुराई, नीरसता और नकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है, इसलिए इस दिन बहन और भाई दोनों को काले रंग के परिधान पहनने से परहेज करना चाहिए।

ऐसे शुरू हुई राखी बांधने की परंपरा

पौराणिक कथाओं के अनुसार जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में राक्षस राज बलि से तीन पग में उनका सारा राज्य मांग लिया था और उन्हें पाताल लोक में निवास करने को कहा था, तब राजा बलि ने भगवान विष्णु को अपने मेहमान के रूप में पाताल लोक चलने को कहा। जिसे विष्णुजी मना नहीं कर सके। लेकिन जब लंबे समय तक श्री हरि अपने धाम नहीं लौटे तो लक्ष्मी जी को चिंता होने लगी। तब नारद मुनि ने उन्हें राजा बलि को अपना भाई बनाने की सलाह दी। अपने पति को वापस लाने के लिए माता लक्ष्मी गरीब स्त्री का रूप धारण कर राजा बलि के पास पहुंच गईं और उन्हें अपना भाई बनाकर राखी बांध दी। इसके बदले उन्होंने भगवान विष्णु को पाताल लोक से ले जाने का वचन मांग लिया। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा थी और माना जाता है कि तभी से रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाने लगा है।

बदलाव
मधु सिंह

पारंपरिक तौर पर भले ही रक्षाबंधन पर बहनें ही भाई को राखी बांधती हैं। लेकिन नए दौर में अब कई बहनें भी आपस में एक-दूसरे को राखी बांधने लगी हैं। यह नई परंपरा बहनों के बीच आपसी स्नेह और जुड़ाव को और मजबूत भी बना रही है।

अब केवल भाइयों को ही नहीं बहनों को भी बांध रही हैं राखी

नवी मुंबई की रितिका, गीतिका बरसों तक रक्षाबंधन के दिन अपना कोई भाई न होने की कसक में गुजारती रही हैं। लेकिन पिछले दो सालों से उनकी यह कसक दूर हो गई है, क्योंकि अब दोनों बहनें रक्षाबंधन वाले दिन एक-दूसरे को राखी बांधकर एक दूसरे की रक्षक होने की पुष्टि करती हैं। बहनों द्वारा बहनों को ही राखी बांधने की यह परंपरा एक समावेशी और आत्मीय सामाजिक रिश्ते का संकेत है। पिछले दो तीन सालों से इस ट्रेंड की यह ताजगी भरी बयार सबको सुखद लग रही है, इसीलिए यह ट्रेंड बढ़ता जा रहा है।

रक्षा की नई परिभाषा: अभी तक भाई ही बहन को रक्षा करने का वचन देता रहा है। यही कारण है कि इस पारंपरिक त्योहार के आते ही हमारे दिलो-दिमाग में एक ट्रेडिशनल छवि कौंध जाती है, जिसमें थाल सजाए बहन, भाई की कलाई पर राखी बांध रही होती है। लेकिन इक्कीसवीं सदी की एक चौथाई अवधि बीत जाने के बाद भारत में बहुत कुछ बदल रहा है। यह युवा ताजगी से भरा देश कई संबंधों को पुनर्परिभाषित कर रहा है और ऐसा ही संबंध है, बहन से बहन का। आज बहनें भी अपनी दूसरी बहनों को खुशी-खुशी राखी बांध रही हैं, न कोई संकोच, न कोई सामाजिक संकीर्णता।

भावनाओं का बढ़ा दायरा: जब तक बहन की राखी सिर्फ भाई की कलाई में बंधती थी, तब तक ये खास रिश्ते की वायस थी। आज इस रिश्ते का दायरा बड़ा हो गया है, अब बहनें भी एक-दूसरे से कहती हैं, 'मैं भी तेरी रक्षक हूं, तूने हर मोड़ पर मेरा साथ दिया है, मेरे जीवन में तेरा होना किसी भाई से कम नहीं।' चाहे वो बड़ी बहन हो या छोटी बहन। आज बहनें एक-दूसरे का संबल ही नहीं बन रहीं बल्कि वे एक-दूसरे की ढाल भी बन रही हैं। इसलिए राखी के रिश्ते में यह परिवर्तन स्वाभाविक है।

पारंपरिक संवेदना की नई ऊर्जा : बहनों द्वारा बहनों को राखी बांधना एक ट्रेंड भर नहीं है, यह परंपरा की नई संवेदना है। यह उस पीढ़ी का इमोशनल इंटेलीजेंस है, जो सुरक्षा को केवल बाहुबल के चश्मे से नहीं देखती बल्कि मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक सहारे के रूप में भी देखती है। एक बहन को दूसरी बहन राखी बांधकर यह जताती है कि मैं तेरे संघर्षों में साथ खड़ी हूं। इससे साबित होता है कि राखी अब केवल भौतिक रक्षा का ही प्रतीक नहीं है। यह सम्मान, भरोसे और बराबरी का भी संदेश देता है।

रिश्ते बन रहे प्रगाढ़: बहनों के एक-दूसरे को राखी बांधने की यह नई परंपरा, बहनों के आपसी रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने में बड़ी भूमिका निभा रही है। बहनें, एक-दूसरे के दुख में संबल बन खड़ी हो रही हैं। खुशियों में उल्लास और उमंग से शामिल हो रही हैं। वैसे भी बचपन की दहलीज पार करने के बाद बहनें जब किशोरावस्था और युवावस्था में कदम रखती हैं तो वे एक-दूसरे की सबसे विश्वस्त सखी-सहेली बन जाती हैं। अपनी वो बातें भी आपस में शेयर करने लगती हैं, जिसे मम्मी-पापा से नहीं कह पाती हैं। उन्हें यकीन होता है कि उनकी बहन हर स्थिति को समझकर सबसे उपयुक्त सलाह जरूर देगी। स्ट्रेस या चिंताओं से उन्हें उबार लेगी। यानी बहनों के रिश्ते को गहन बनाने में आपस में राखी बांधने की नई परंपरा, बड़ी भूमिका निभा रही है।

नई पीढ़ी-नई पहचान

साल 2025 में बहनें रक्षा के लिए किसी की याचक नहीं हैं बल्कि वह संदेश दे रही हैं कि बहनें अब बहनों की रक्षा खुद कर लेंगी। इसलिए वे आज एक-दूसरे को राखी बांध रही हैं। यह एक नई परंपरा ही नहीं बल्कि सोच में स्थाई बदलाव की दस्तक है। वह दस्तक जो कहती है कि हम बहनें हैं, हम साथ हैं और एक-दूसरे की रक्षा करना हमारे रिश्ते की सुंदर परिभाषा है।

मेकअप
मानसी

फेस्टिव लुक के लिए करें ग्लॉसी मेकअप

रक्षाबंधन के खास मौके पर पहनने के लिए आपने अपनी ड्रेस फाइनल कर ली है लेकिन अगर अभी आप डिसाइड नहीं कर पा रही हैं कि किस तरह का मेकअप करें, तो आपको बता दें कि कोई भी लुक तभी परफेक्ट लगता है, जब ड्रेस के साथ मेकअप मैच करता है। इस खास फेस्टिव ऑकेजन पर आप ग्लॉसी मेकअप कर सकती हैं। इसके प्रॉपर स्टेप्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

एक्सफोलिएशन-मॉयश्चराइजेशन: मेकअप शुरू करने से पहले जरूरी है कि आप अपने चेहरे को अच्छी तरह धो लें और फिर स्किन को एक्सफोलिएट करें। इससे चेहरे पर डेड स्किन निकल जाएगी। साथ ही चेहरे पर मौजूद धब्बे भी हल्के पड़ जाएंगे। इससे स्किन सॉफ्ट भी हो जाएगी। इसके बाद आप चेहरे को मॉयश्चराइज करें। इससे त्वचा पर नमी बनी रहेगी।

प्राइमर और फाउंडेशन: जब आप चेहरे को मॉइस्चराइज कर लें तो जरूरी है कि उसके बाद मेकअप को बेस देने के लिए प्राइमर का इस्तेमाल करें, जिससे आपका मेकअप ज्यादा लंबे समय तक टिका रहेगा। साथ ही चेहरे पर दाग धब्बे भी नजर नहीं आते हैं। जब आप चेहरे पर प्राइमर का इस्तेमाल कर लें तो उसके बाद फाउंडेशन अप्लाई करें। बिना फांउडेशन के मेकअप को सही लुक नहीं मिल पाता है। इसलिए फाउंडेशन का इस्तेमाल चेहरे पर जरूर करें। ऑयली स्किन वाली महिलाएं ऑयल फ्री फाउंडेशन का ही यूज अपने चेहरे पर करें।

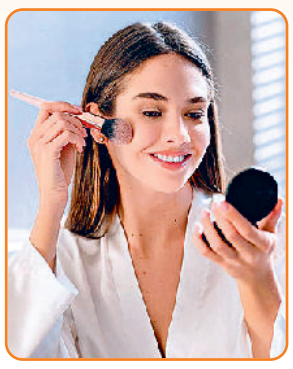

आई मेकअप: आपका कंप्लीट मेकअप तभी सुंदर नजर आता है, जब आपने आंखों का मेकअप परफेक्ट तरीके से किया हो। इसके लिए आप आई मेकअप को सही तरह से करें। ध्यान रखें कि ग्लॉसी मेकअप के लिए आंखों को थोड़ा सॉफ्ट और नेचुरल लुक देना जरूरी है। इसके लिए अपनी आंखों पर रोज गोल्ड या सिल्वर आईशैडो लगाएं। फिर आईशैडो को चमकदार बनाने के लिए अपनी आंखों पर थोड़ी मात्रा में आई-सेफ क्लियर लिप ग्लॉस या पेट्रोलियम जैली लगाएं। इसके बाद आप पलकों को कर्ल करके मस्कारा के दो कोट लगाएं।

चीकबोंस नजर आए ग्लॉसी: जब आंखों का मेकअप हो जाए तो ग्लॉसी लुक के लिए चीकबोंस, नाक और चेहरे के कुछ हिस्सों को उभारने के लिए उन पर ब्रोंजर का इस्तेमाल करें। फिर गालों पर पीच शेड का क्रीमी ब्लश का इस्तेमाल करें। इसके बाद अपने चीकबोंस, नाक के ऊपरी हिस्से और माथे पर थोड़ा हाईलाइटर लगाएं। इसे ब्यूटी ब्लेंडर या फिर फ्लेयर ब्रश से स्मज करें।

लिप ग्लॉस लगाएं: चूंकि आप ग्लॉसी मेकअप कर रही हैं, इसलिए आपको होंठों पर लिप ग्लॉस का इस्तेमाल करना होगा। आप लिप ग्लॉस में कलर अपनी पसंद का चुन सकती हैं।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

आप अपने भाई के लिए प्यारी सी राखी तो चुनेंगी ही। इसके साथ ही, जिस थाली में रोली, अक्षत के साथ राखी रखेंगी, वो भी बहुत आकर्षक दिखे, इसके लिए ये तरीके अपना सकती हैं।

आकर्षक दिखेगी रक्षाबंधन वाली थाली

परंपरा
निधि गोयल

हर बहन को इंतजार होता है राखी आएगी तो भाई के लिए वह सुंदर सी राखी तो लाएगी ही, साथ ही राखी, रोली, अक्षत, चंदन, आरती का दीपक और मिठाई आदि रखने के लिए थाली भी सुंदर सी सजाएगी। हम यहां पर विस्तार से बता रहे हैं इसे सजाने का तरीका।

चुनरी का फैब्रिक: आप सबसे पहले थाली का बेस बनाने के लिए चुनरी का फैब्रिक लें और उसे पूरी थाली पर चिपका दें। इससे आपकी थाली काफी अट्रैक्टिव नजर आएगी। लाल रंग की चुनरी का फैब्रिक सबसे आकर्षक लगता है। आप यदि चुनरी का फैब्रिक इस्तेमाल नहीं करना चाह रही हैं तो उसकी जगह चुनरी प्रिंट में पेपर लेकर भी थाली को सजा सकती हैं। इसे आपको पूरी थाली के तल पर बहुत अच्छी तरह से चिपकाना है, जिससे पूरी थाली इस फैब्रिक से ढंक जाए।

गोटा: जब आप चुनरी का फैब्रिक या पेपर थाली पर लगा लें तो इसके बाद आपको उसे आकर्षक दिखाने के लिए गोटे का इस्तेमाल करें। लेकिन बहुत ज्यादा मोटा गोटा उस पर नहीं लगाएं, क्योंकि इससे थाली का लुक अच्छा नहीं लगेगा। मीडियम साइज के गोटे से थाली को सजाएं। आप इसे अपनी इच्छानुसार शेप में लगा सकती हैं। थाली गोल होती है तो गोल शेप में लगाते हुए गोटे चिपका दें या फिर क्रिएटिविटी के साथ अलग डिजाइन में सजा सकती हैं।

मिरर: जब आप थाली को गोटे से सजा दें तो उसके बाद मिरर का इस्तेमाल करें। मिरर को आप थाली पर जगह-जगह चिपका सकती हैं। इससे थाली बेहद सुंदर नजर आएगी।

लेस और लटकन: आप चुनरी के फैब्रिक को लगाने के बाद उसके चारों तरफ थाल के किनारे-किनारे लेस को चिपका सकती हैं, जिससे थाली का लुक चेंज हो जाएगा। अगर आपको लटकन लगानी है तो इस लेस से अटैच करते हुए चारों कोनों पर लटकन को लगा सकती हैं।

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

खबर संक्षेप

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों पूरी करने के निर्देश

महेंद्रगढ़। एसडीएम कनिका गोयल (आईएएस) ने कहा कि 79वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के लिए जिस भी विभाग को जो दायित्व दिया जाए, उसे निर्धारित समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें। एसडीएम कनिका गोयल ने सोमवार को लघु सचिवालय के कोर्ट रूम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह तैयारियां पूरी करने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह को हर्ष और उल्लास के साथ मनाने के लिए सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूरी निष्ठा के साथ समय बध पूरा करें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के सफल आयोजन के लिए प्रेड व सांस्कृतिक कार्यक्रम रिहर्सल पांच अगस्त से शुरू की जाए और 11 अगस्त को समारोह स्थल पर सभी प्रतिभागी रिहर्सल करेंगे तथा फाइनल फुलड्रैस रिहर्सल 13 अगस्त को आयोजित की जाएगी।

अत्याचार के खिलाफ हुआ जागरूकता कार्यक्रम

मंडी अटेली। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ताजपुर में विद्यालय प्राचार्य सत्यवीर सिंह की अध्यक्षता में अस्पृष्यता और अत्याचार के खिलाफ जागरूकता अभियान अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रवक्ता राजेश यादव पीसीआर अधिनियम 1955 और एससी, एसटी अधिनियम 1989 का प्रचार, अपराध, दंड व पीड़ित के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं लिटरेसी क्लब प्रभारी वरिष्ठ प्रवक्ता माया यादव ने अस्पृष्यता और अत्याचार के खिलाफ जागरूकता अभियान के बारे में विद्यार्थियों को बताया गया और भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के कानून के बारे में जानकारी दी।

हैप्पी स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। वन विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण और भावनात्मक जुड़ाव को बढ़ावा देने हेतु एक पेड़ मां के नाम थीम पर राजकीय विद्यालय महेंद्रगढ़ में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल महेंद्रगढ़ की छात्रा याशिका ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में याशिका की पेंटिंग न केवल रंगों की सुंदरता बल्कि मां और प्रकृति के रिश्ते को बेहद संवेदनशीलता और गहराई से दशार्ने के लिए विशेष रूप से सराही गई। विधायक कंवर सिंह यादव तथा नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव द्वारा प्रशस्ति-पत्र और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मौके पर विद्यालय के संचालक सुभाषचंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल आदि ने बधाई दी।

हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली पहुंचे हुड़ीना गांव के दादी मां रूपा मेले में, पूर्व मंत्री व नारनौल के विधायक ओमप्रकाश भी आए नजर

- मेले समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने का जरिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार सांस्कृतिक और पारंपरिक आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार संस्कृति व परंपरा की संरक्षक है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष गांव हुड़ीना में आयोजित दादी मां रूपा मेले में मुख्य अतिथि के रूप में नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेले हमारी पुरानी संस्कृति और परंपराओं की पहचान हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मेलों के आयोजन से आपसी प्रेम और भाईचारा बढ़ता है। बडोली ने मेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं हैं, बल्कि ये हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने का जरिया भी हैं। उन्होंने कहा मेले हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं और एक दूसरे के प्रति सम्मान और अपनत्व की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने हरियाणा की इस प्राचीन परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सद्भावना का माहौल बनता है। बडोली ने मेले में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं की सराहना करते हुए युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण जीवन की रौनक होते हैं। उन्होंने कहा कि यहां हर वर्ग के लोग एक साथ मिलकर खुशियां मनाते हैं। उन्होंने दादी मां रूपा मेले को धार्मिक आस्था और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बताया। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि दादी मां रूपा देवी मंदिर की क्षेत्र में बड़ी मान्यता है।

नारनौल। दादी मां रूपा मंदिर हुड़ीना में खिलाड़ियों से परिचय करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, विधायक ओमप्रकाश यादव व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हुए

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के शासनकाल में देश के साथ साथ प्रदेश में भी हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं। इस मौके पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव, कोऑपरेटिव बैंक महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा उर्फ राजू, भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र यादव, सुगन चंद सैनी अटेली, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, बहादुर सिंह सरपंच खोड़मा, सतपाल लांबा, मेला प्रबंधक कमेटी की तरफ से रामकुमार प्रधान, चंद्रपाल, वेदप्रकाश, पवनदीप, धर्मेंद्र, सुनील यादव, प्रवीण यादव आदि मौजूद थे।

दो से 15 अगस्त तक आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान चलाया

हर घर तिरंगा अभियान को तीन चरणों में विभाजित किया: डीसी

- नागरिक अपने घरों पर फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ओर से व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश अनुसार दो से 15 अगस्त तक आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने और तिरंगे के साथ एक व्यक्तिगत तथा भावनात्मक संबंध बनाने के उद्देश्य से 2022 से एक वार्षिक कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि इस वर्ष हर घर तिरंगा अभियान को तीन चरणों में विभाजित किया गया है। पहला चरण (दो से आठ अगस्त) तक चल रहा है। इस चरण का उद्देश्य देशभक्ति का माहौल बनाना, सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगे से जुड़े दृश्य संदर्भ तैयार करना और राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास को चर्चा में लाना है। इस चरण की गतिविधियों में स्कूलों की दीवारों और बोर्डों को तिरंगे से प्रेरित कला से सजाना है। सोशल मीडिया पर #harghartiranga2025 के साथ तस्वीरें साझा करना, स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी भवनों और सार्वजनिक स्थानों पर संस्कृति मंत्रालय द्वारा तैयार की गई तिरंगा प्रदर्शनी दिखाना शामिल है। यह प्रदर्शनी हर घर तिरंगा वेबसाइट पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों जैसे मॉल्स या पार्कों में तिरंगा रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित करना। जहां प्रतियोगिता संभव न हो वहां प्रदर्शन या कार्यशालाएं आयोजित की जा सकती हैं। स्कूलों, कॉलेजों, आंगनबाड़ी, बाल देखभाल केंद्रों और वृद्धाश्रमों में तिरंगा राखी बनाने की कार्यशालाएं तथा प्रतियोगिताएं आयोजित करना शामिल हैं। डाक विभाग सैनिकों व पुलिस कर्मियों को इन राखियों को वितरित करने में मदद करेगा। सैनिकों व पुलिस कर्मियों के लिए पत्र लिखने की प्रतियोगिताएं आयोजित करना, जिसमें उनकी सुरक्षा और राष्ट्र के लिए सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद दिया जाएगा। हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता नामक एक विशेष सप्ताह भर का अभियान पेयजल और स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय व संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से आठ से 15 अगस्त तक चलाया जा रहा है।

तिरंगा मेला, जो सरस्वती मेला के समान होगा, स्वयं सहायता समूहों के स्थानीय उत्पादों पर केंद्रित होगा। मेले में तिरंगे की प्रदर्शनी व सेल्फी बूथ भी होंगे, जहां लोग वेबसाइट पर सेल्फी अपलोड कर सकेंगे। तिरंगा संगीत समारोह में देशभक्ति के सांस्कृतिक प्रदर्शन व गाने होंगे। गृह मंत्रालय के सहयोग से तिरंगा बाइक या साइकिल रैलियां आयोजित की जाएंगी। तिरंगा यात्राओं में तिरंगे के बहुत लंबे कपड़े का उपयोग किया जाएगा और इसमें शहरी व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के स्कूली बच्चे, युवा और सभी वर्ग के लोग भाग लेंगे।

तिरंगा सेल्फी अपलोड करने के लिए करेंगे प्रोत्साहित

युवाओं को स्वयंसेवक के रूप में भाग लेने व तिरंगा सेल्फी अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। स्वयंसेवकों को वेबसाइट से प्रमाण पत्र डाउनलोड करने की अनुमति होगी व शीर्ष 10 स्वयंसेवकों को 15 अगस्त के समारोहों में आमंत्रित किया जा सकता है। भवनों, स्मारकों, पुलों, बाजारों, होटलों व बांधों पर तिरंगा रोशनी तथा सजावट को प्रोत्साहित किया जाएगा। डीसी ने बताया कि दूसरा चरण (नौ से 12 अगस्त) तक चलेगा। इस चरण में लोगों को एक साथ लाना व एक उत्सव का माहौल बनाना है, जिसमें हर जगह तिरंगे की दृश्यता हो। मुख्य कार्यक्रम तिरंगा महोत्सव' होगा, जिसमें तिरंगा मेला और तिरंगा संगीत समारोह शामिल होंगे। राज्य व केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल या राज्यपाल करेंगे। इस कार्यक्रम में विधायक, सांसद, अन्य उपलब्धियां हासिल करने वाले लोग व खिलाड़ी मौजूद रहेंगे।

तीसरा चरण 13 से 15 अगस्त तक

उन्होंने बताया कि तीसरा चरण (13 से 15 अगस्त) तक चलेगा। यह चरण झंडा फहराने, सेल्फी अपलोड करने और हर जगह तिरंगे की दृश्यता पर केंद्रित है। नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों व कारों पर तिरंगा प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। सरकार भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, होटलों और कार्यालयों में झंडा फहराने के समारोह आयोजित किए जाएंगे।

नारनौल। श्रीकृष्ण स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में एनसीआरटी ओलम्पियाड में हुए विजेताओं को सोमवार को प्रार्थना सभा में सम्मानित किया गया। इसी कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिता पेंटिंग, स्लोगन राइटिंग व साइंस ओलम्पियाड प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करने के लिए एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न विषयों पर पेंटिंग व स्लोगन बनाए थे। इन प्रतियोगिताओं में सम्मानित विद्यार्थी काव्या, चहक, वंशिका, प्रिया, मानवी, वंदना, कशीष व एनसीआरटी ओलम्पियाड के विजेता दिक्षु, यश, खुशी व अंश को 500-500 रुपये व छात्र आयुष को 1100 रुपये देकर सम्मनित किया। विद्यालय के प्राचार्य वेदपाल यादव ने विजेताओं छात्रों व अध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों की प्रतिभा को निखारने में मदद करते हैं। विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्रों की पेंटिंग्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी।

यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह जागरण अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह को जागरण अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें यह अवार्ड उनकी सामाजिक एवं शिक्षा के क्षेत्र में सेवाओं के लिए नवाजा गया। भारत में 60 लोगों को भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। जागरण अचीवर्स अवार्ड-2025 मलेशिया के शहर देसारू में होटल लोटस में आयोजित किया गया, जिसमें यदुवंशी ग्रुप की ओर से फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र सिंह ने अवार्ड प्राप्त किया। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में हाई कमीशनर उपस्थित रही। ज्ञात हो कि यदुवंशी स्कूल व कॉलेजों ने बहुत से बच्चों को तराशा है, जो विभिन्न क्षेत्रों में पूरे देश एवं विदेश में सेवाएं दे रहे हैं। दक्षिणी हरियाणा आज यदुवंशी ग्रुप के योगदान से शिक्षा का हब बना है। आज महेंद्रगढ़ में समारोह में यह अवार्ड राव बहादुर सिंह को सौंपा गया, जिसमें विभिन्न गणमान्य लोग, प्राचार्य, हैड एवं ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव उपस्थित रहे। यदुवंशी स्कूल के लिए यह गर्व का क्षण रहा जब शिक्षा क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस सम्मान समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में किया गया, जिसमें विभिन्न शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकताओं की उपस्थित रही। ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने कहा कि राव बहादुर सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में जो ऊंचाईयां प्राप्त की हैं, वह सभी के लिए प्रेरणादायक है।

महेंद्रगढ़। राव बहादुर सिंह को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी ने राशन डिपो होल्डरों की बैठक ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

सहायक खाद्य एवं आपूर्ति विभाग कार्यालय में सोमवार को सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी ने क्षेत्र के राशन डिपो होल्डर की बैठक ली। इस दौरान सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी बिरमा देवी ने सभी रोशन डिपो होल्डरों को निर्देश दिए कि विभाग ने जो सूची डिपो अनुसार पैडिंग ई-केवाईसी को जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिन राशन उपभोक्ताओं ने ई-केवाईसी नहीं करवाई हैं, वह जल्द से जल्द ई-केवाईसी करवा ले, ताकि आगामी दिनों में राशन लेने में कोई दिक्कत न हो। उन्होंने राशन डिपो होल्डरों को निर्देश दिए कि डिपो अनुसार पैंडिंग ई-केवाईसी की सूची का अवलोकन करते हुए अधिक से अधिक राशन वितरण के समय ई-केवाईसी करते हुए कार्ड धारकों को राशन जारी करें। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं ने डिपो धारक के पास ई-केवाईसी करवा ली है, उनको फेश ई-केवाईसी करवाने की जरुरत नहीं हैं। जिन कार्ड धारक के पीओएस मशीन में अंगूठे नहीं लग रहे हैं, वह कार्ड धारक अपने मोबाइल पर मेरा ई-केवाईसी ऐप पर या फिर नजदीकी सीएससी सैंटर पर ऐप के द्वारा ई-केवाईसी करवाएं। उन्होंने कहा कि पांच साल के बच्चे की ई-केवाईसी नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी करवाने से कार्ड धारक कोराशन लेने में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसलिए कार्ड धारक जल्द से जल्द ई-केवाईसी करवाएं। इस मौके पर एफएसओ केशर सिंह, इंस्पेक्टर सतबीर सिंह, इंस्पेक्टर सुधा, स्टोर कीपर प्रवीण कुमार सहित अनेक डिपो होल्डर मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यालय में राशन डिपों होल्डरों की बैठक लेते अधिकारी। फोटो : कैप्शन

उपभोक्ता कैसे करे ई-केवाईसी

ई-केवाईसी और आधार फेस आरडी ऐप डाउनलोड करके स्वयं भी यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर से मेरा ई-केवाईसी और आधार फेस आरडी मोबाइल ऐप डाउनलोड व इंस्टॉल करें। इंस्टॉल करने के बाद ई-केवाईसी पर क्लिक करें। लाभार्थियों को हरियाणा राज्य चयन करने के बाद अपनी आधार संख्या भरनी होगी। आधार संख्या भरने के बाद जनरेट ओटीपी पर क्लिक करें। अपने पंजीकृत मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज करें। अपने मोबाइल के कैमरा की ओर ध्यान केंद्रित कर अपनी पलके झपकाएं, सफलतापूर्वक कैप्चर होने पर ई-केवाईसी का प्रोसेस पूरा हो जाएगा।

इंद्रप्रस्थ स्कूल चिंडालिया में खंड स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

इंद्रप्रस्थ सीनियर सेकेंडरी स्कूल चिंडालिया में खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ के अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष अनिल लांबा, प्रधानाचार्य महेंद्र सिंह, संतराम डीपी, बलवंत डीपी, कृष्ण कुमार खटाना आदि मौजूद थे। वॉलीबॉल के पहले राउंड के मैच अंडर 14 में यदुवंशी शिक्षा निकेतन नारनौल व संस्कार भारती कोरियावास के मध्य हुआ। जिसमें संस्कार भारती कोरियावास विजेता रही।

सीएल पब्लिक स्कूल व ओएसिस इंटरनेशनल स्कूल के मध्य हुए मैच में ओएसिस इंटरनेशनल स्कूल विजय रही। खो खो अंडर 19 में वेदांता स्कूल व एचपीएस के मध्य हुए मैच में एचपीएस स्कूल विजेता रही। खो खो अंडर 14 में जीएमएस करोली व बीपीएस के मध्य हुए मैच में बीपीएस विजेता रही। कबड्डी अंडर 19 में यदुवंशी शिक्षा निकेतन व जीएसएस निजामपुर के मध्य हुए मैच में यदुवंशी शिक्षा विजेता रही। कबड्डी अंडर 17 में जीएसएस जैलाफ व कोयल पब्लिक स्कूल खटौटी के मध्य हुए मैच में कोयल पब्लिक स्कूल खटोटी विजेता रही। टैग ऑफ वार अंडर 11 में यदुवंशी शिक्षा निकेतन व वेदांत स्कूल के मध्य हुए फाइनल मैच में यदुवंशी शिक्षा निकेतन विजेता रही।

नारनौल। खिलाड़ियों से परिचय करते अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। नगर परिषद गेट पर प्रदर्शन करते सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नगर परिषद सफाई कर्मचारियों का 14वें दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी

नारनौल। नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई नारनौल ने अपनी मांगों को लेकर 14वें दिन धरना प्रदर्शन जारी रखा और 3 नवंबर 2017 से बकाया एरियर को देने की मांग की। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि नगर प्रशासन ने अब तक कर्मचारियों से बैठकर बातचीत नहीं की है और लगातार अड़ियल रवैया अपनाया जा रहा है। नगर प्रशासन चहता ही नहीं कि शहर की सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से चले। कर्मचारियों ने अपनी मांगों के बारे में प्रशासन को 14 दिन पहले ही पत्र के माध्यम से अवगत कराया था, लेकिन नगर प्रशासन ने कर्मचारियों की एक न सुनी, जबकि हरियाणा प्रदेश में लगभग सभी नगर पालिका व परिषदों में एरियर दिया जा चुका है, जैसे चरखी दादरी, रेवाड़ी, बहादुरगढ़, भिवानी, यमुनानगर, झज्जर, बावल एवं पटौदी अपने आसपास की पालिकाओं में एरियर दिया गया है। जबकि नारनौल नगर परिषद एवं जिले की अन्य पालिकाओं के सफाई कर्मचारियों को एरियर से वंचित किया जा रहा है। इस प्रदर्शन में जिला प्रधान राहुल सारवान, सचिव महावीर प्रसाद, राज्य कैशियर महेंद्रसिंह संगेलिया, भूपेंद्र दरोगा, राजू दरोगा, देवानंद, आशु, रोशन, रजनीश, कमल, श्याम सुंदर, दौलत, नीरज, विक्की, विक्रम, महेंद्र चौहान, रमेश कुमार, बिट्टू, रॉकी, सुरेंद्र, संतलाल, राजू, रमन, देवा, मनोज देवी, ममता देवी, उर्मिला देवी, मंजू देवी, पूनम देवी, सुनीता देवी, ममता, उर्मिला, निर्मला, सविता, बबीता व मंजू बबली समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी में पढ़ाया जाएगा रक्षा अध्ययन विषय

नारनौल। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी में इस सत्र 2025-26 से रक्षा अध्ययन विषय भी पढ़ाया जाएगा। विश्वविद्यालय में इसकी शुरूआत होने से उन नवयुवकों को काफी फायदा होगा, जो रक्षा क्षेत्र में रचि रखते हैं। अभी तक यह विषय इस विश्वविद्यालय के मात्र चार सरकारी महाविद्यालयों में ही पढ़ाया जा रहा है। इनमें दो महाविद्यालय नारनौल, एक अटेली व एक नांगल चौधरी का है। विश्वविद्यालय में शुरू किया गया रक्षा अध्ययन विषय चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है। जिसके लिए वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा यानि कि 12वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के लिए अभी 30 सीटों की मंजूरी प्रदान की गई है। इस पाठ्यक्रम के लिए इच्छुक नवयुवक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर 16 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी का कहना है कि यह पाठ्यक्रम रोजगारोन्मुखी है। इसलिए नवयुवकों के हितों को ध्यान में रखकर इसे शुरु करने का निर्णय लिया गया है। आईजीयू रेवाड़ी में इस सत्र 2025-26 से रक्षा अध्ययन विषय की शुरूआत किए जाने पर जाने-माने रक्षा विशेषज्ञ व राजकीय महिला महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विषय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. एलएस यादव का कहना है कि यह निश्चित रूप से विश्वविद्यालय का एक सराहनीय कदम है। इसकी पढ़ाई से नवयुवकों को राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में बेहतर जानकारी हासिल हो सकेगी और वे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रत्येक पहलू व ज्वलंत मुद्दों को आसानी से समझ सकेंगे। बेहतर जानकारी होने पर ये नवयुवक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सुरक्षात्मक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रख सकेंगे। हरियाणा राज्य में यह विशय 12वीं व स्नातक स्तर पर अधिक पढ़ाया जाना चाहिए, क्योंकि अभी स्कूलों व कॉलेजों में बहुत कम जगहों पर पढ़ाया जा रहा है। अगर नए युवा इसे स्कूल स्तर पर ही पढ़ना शुरू करेंगे तो वे देश के सुरक्षा संबंधी मुद्दों व पड़ोसी देशों से संबंधों व सुरक्षात्मक स्थितियों को अधिक बेहतर ढंग से समझने में सक्षम होंगे। विदित हो कि वर्तमान समय में ये चुनौतियां देश के सामने अधिक हैं।

फसलों में कीट से नुकसान होने से किसान चिंतित, विशेष गिरदावरी करवाए सरकार

- वाटर टैंकों के निर्माण में धांधली से सरकार हो रहा राजस्व का नुकसान
- नलवाटी व दोहान पच्चीसी के गांवों में बना नहरी जल संकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

विधायक मंजू चौधरी ने पवेरा, गांवड़ी जाट, नपाला, नयागांव, पांचनोता, मेघोत हाला, इस्लामपुरा में खरीफ फसलों का निरीक्षण किया तथा किसानों की समस्याएं सुनीं।

इस दौरान किसानों ने बाजरे व ग्वार को फड़का कीट के प्रकोप की जानकारी दी और दीमक के प्रभाव से पौधे सूखने की समस्या से अवगत कराया। उन्होंने सरकार से प्रभावित फसलों की सर्वे करवाकर नुकसान की भरपाई करने का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि नांगल चौधरी हलका डॉर्कजोन में शामिल है। जहां सिंचाई के लिए विस्तृत रूप से नहरी सुविधा उपलब्ध नहीं। इसलिए अधिकांश ग्रामीण बाजरा, ग्वार, मक्का जैसी कम पानी में पकने वाली फसलों को प्राथमिकता देने लगे हैं। जून महीने में बारिश होने पर किसानों ने बाजरे व ग्वार की बुवाई की थी। इसके बाद खाद व खरपतवार पर हजारों खर्च किए गए, लेकिन अब विभिन्न फसलों पर फड़का कीट का प्रकोप बढ़ गया। जिसने पौधों की पत्तियों का रस चूसना आरंभ कर दिया, दूसरी तरफ जड़ों में दीमक लग गई। जिसके प्रभाव से फसलों की ग्रोथ रुक गई और पौधे पीले होकर सूखने लगे हैं। चिंतित किसानों ने कृषि विभाग के अधिकारियों को समस्या से अवगत करवा दिया। जिन्होंने दवाई स्प्रे करने की सलाह देकर पल्ला झाड़ लिया। नलवाटी के कई खेतों में 50 फीसदी तक फसलें चौपट हो चुकी हैं। इसके अलावा लगातार हो रही बारिश से कई गांवों में मकानों को नुकसान होने की रिपोर्ट मिली है। उन्होंने कहा कि नुकसान की भरपाई के लिए सीएम को पत्र लिखा जाएगा। इसके बाद उन्होंने पशु अस्पतालों का भी निरीक्षण किया है। कहा कि विभागीय अस्पतालों में दवाई व संसाधनों की भारी किल्लत बनी हुई है। ऐसे में पशुपालकों को बाजार से दवाई खरीदकर मवेशियों का उपचार कराना पड़ रहा है।

नांगल चौधरी। फड़का कीट से प्रभावित नलवाटी के गांवों में बाजरे की फसल। फोटो: हरिभूमि

सितंबर तक नहरों में रहेगा पानी ग्रामीण जोहड़ों को भरें

विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि बीते दिनों संचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने मिलकर नलवाटी, दोहान पच्चीसी में नहरी जल संकट से अवगत कराया था। उन्होंने आश्वासन दिया है कि गांवों में वाटर टैंकों का निर्माण करवाकर उन्हें नहरों से भरने की योजना है। इसके बाद किसानों को फसलों की सिंचाई करने में सुविधा रहेगी। उन्होंने कहा कि वाटर टैंकों के निर्माण में धांधली को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नांगल पीपा गांव के वाटर टैंक निर्माण में भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही हैं।

खबर संक्षेप

पावर हाउस शिव मंदिर में प्रसाद वितरण आज

नांगल चौधरी। पावर हाउस में स्थित शिव मंदिर में पांच अगस्त को प्रसाद वितरण कार्यक्रम होगा। जिसमें विभिन्न गांवों के श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे। इस दौरान भजनोपदेशों से युवाओं को सामाजिक संस्कारों को धारण करने तथा अपराधिक गतिविधियों से दूर रहने का संदेश दिया जाएगा। प्रधान जितेंद्र डांगी व अनिल कुमार ने बताया कि सुबह नौ बजे मंदिर में हवन कार्यक्रम होगा। इसके बाद 10 बजे प्रसाद वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक 10 को

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन के संयुक्त सचिव शिवहरि अग्रवाल ने बताया कि संगठन की मासिक बैठक किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में 10 अगस्त को सुबह 10:30 बजे आयोजित की जाएगी। जिसकी अध्यक्षता प्रधान दुलीचन्द शर्मा करेंगे। वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के अतिरिक्त शहर की समस्याओं पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

मेला एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं 10 को

मंडी अटेली। बाबा गोगा जाहरवीर का मेला गढी रूथल खारीवाड़ा में 10 अगस्त को भरेगा। इस मेले में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिता होगी। मेले में मुख्य अतिथि बिरेंद्र सिंह यादव रहेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि मेले में कुश्तियां 100 रुपये से लेकर 11 हजार तक करवाई जाएंगी। अनेक प्रकार की दौड़ भी करवाई जाएंगी। बुजुर्गों की दौड़ विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने प्रात: 10 बजे से 11 बजे तक एक घंटे ओपीडी बंद रखकर जताया विरोध

जियो फेसिंग अटैडेंस के विरोध में एक घंटे कामकाज ठप

सभी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी अपने-अपने कार्यस्थलों को छोड़कर नागरिक अस्पताल में ही गेट मीटिंग करते रहे। अस्पताल आए मरीज परेशान रहे और उपचार के लिए इधर-उधर भटकते रहे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। सिविल सर्जन कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हेल्थ कर्मी। फोटो: हरिभूमि

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तालमेल कमेटी के आह्वान पर स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा सुबह 10 बजे से 11 बजे तक एक घण्टे कार्य बहिष्कार किया गया। इस दौरान नागरिक अस्पताल की आपातकालीन सेवाओं के अतिरिक्त नेत्ररोग ओपीडी, शिशु ओपीडी, ईएनटी, वरिष्ठ नागरिक, सर्जरी, लैबोरेटरी, एक्सरे इत्यादि सभी कार्य पूर्ण रूप से बंद रहे और सभी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी अपने-अपने कार्यस्थलों को छोड़कर नागरिक अस्पताल में ही गेट मीटिंग करते रहे।

इस दौरान अस्पताल आए मरीज परेशान रहे और उपचार के लिए इधर-उधर भटकते रहे। गेट मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए हरियाणा सिविल मेडिकल एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डा. जगमोहन यादव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की सभी यूनियनों की तरफ से भी पहले जियो फैसिंग बेसड अटैण्डस मैनेजमैन्ट सिस्टम के निर्णय को वापिस लेने की मांग को लेकर सरकार व विभाग के उच्च अधिकारियों को ज्ञापन भेजे जा चुके हैं। गत 28 जुलाई को सभी जिलों में चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा काले रिबन लगाकर आदेशों को वापिस लेने की मांग कर चुके हैं। इसके बावजूद भी उक्त अव्यवहारिक आदेश को वापिस नहीं लेने के विरोधस्वरूप आज एक घण्टे कार्य का बहिष्कार एवं रोष प्रदर्शन किया गया है। हमारी मांग है कि इस गैर-कानूनी निर्णय को तुरन्त प्रभाव से वापिस लिया जाए।

अनुबन्धित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ (एचकेआरएल) के प्रदेशाध्यक्ष भूपेश पालीवाल ने कहा कि जब स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत तमाम अधिकारी/कर्मचारी पहले ही बायोमीट्रिक आधारित अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं तो जियो फैन्सिंग बेसड अटैण्डस मैनेजमैन्ट सिस्टम के तहत उपस्थिति दर्ज करवाने का कोई औचित्य नहीं बनता है। एमपीएचई एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष धर्मबीर यादव कहा कि कोरोना महामारी इस बात की गवाह है कि जब पूरा देश इस महामारी से जूझ रहा था और जनता घर से बाहर नहीं निकल रही थी, तब स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मी अपनी जान पर खेलकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए तत्पर थे। इसके बावजूद भी सरकार स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार अपनाकर अनावश्यक गैर-कानूनी आदेश थोपने का कार्य कर रही है। स्वास्थ्य कर्मचारी संघ (एनएचएम) के जिलाअध्यक्ष डा. पुष्पेन्द्र ने बताया कि मोबाईल ऐप से व्यक्तिगत सवेदनशील डाटा तक अनाधिकृत पहुंच, साईबर धोखाधड़ी और डेटा के दुरुपयोग के खतरे को बढ़ाता है। इसलिए उपरोक्त सभी चिंताओं के मद्देनजर जियो फेसिंग बेसड अटैण्डस सिस्टम के प्रति हम अपनी असहमति देते हैं एवं जिले का कोई भी अधिकारी एवं कर्मचारी अटैण्डस एप्प के लिए अपना डाटा सांझा नहीं करेगा। लैब टैक्निशियन एसोसिएशन से जिला उपप्रधान ओमप्रकाश ने बताया कि कर्मचारी को मोबाईल डाटा एप्लीकेशन के आधार पर ट्रेक किया जाएगा, जो कि निजता के अधिकार का उल्लंघन है। उपरोक्त मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार किसी भी व्यक्ति को निजता का भी मौलिक अधिकार का दर्जा दिया गया है।

अंत में सभा स्थल से सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्रदर्शन करते आपातकालीन वार्ड के तृतीय फ्लोर पर स्थित सिविल सर्जन कार्यालय पहुंचे तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग हरियाणा सरकार, चण्डीगढ़, मिशन निदेशक (एनएचएम) पंचकुला व महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा पंचकुला के नाम निजी संसाधनों के माध्यम से जियो फेसिंग लोकेशन आधिारित उपस्थिति दर्ज करने के आदेश को वापस लेने बारे ज्ञापन सौंपा। सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार ने आश्वस्त किया कि ज्ञापन को उच्च अधिकारियों की सेवा में भेज दिया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर एससीएमएस से डा. अनुज यादव, डा. जितेन्द्र कुमार, डा. रचना शर्मा, डा. आंकाक्षा, डा. पवन यादव, डा. कृष्ण कुमार यादव, डा. संगीता यादव, डा. मनीष यादव, राजकीय दन्तक सर्जन एसोसिएशन से डा. रेणू यादव, डा. विकास यादव, नर्सिंग एसोसिएशन से कुसुमलता सैनी, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एनएचएम से राज्य कार्यालय सचिव हरकेश, जिला अध्यक्ष डा. पुष्पेन्द्र, जिला मन्त्री विनोद राव, प्रेमप्रकाश, गौरव कक्कड़, जितेन्द्र यादव, सुनीता यादव, मनीषा कुमारी, ऊषा चौधरी, दिनेश सैनी, संजू, दिनेश शर्मा, दिलबाग श्योराण, राजकीय फार्मेसी ऐसोसिएशन से राज्य वरिष्ठ उपप्रधान सतपाल यादव, हरियाणा रेडियोलाजी ऑफिसर एसोसिएशन से जिला उपप्रधान विशाल कुमार व सतपाल, एमपीएचई एसोसिएशन से रणबीर एचआई, महेश कुमार, मनोज, विपिन, मुकेश कुमार, सतीश कुमार, मनोज, मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन से अविनाश शर्मा, विजय कुमार, सन्दीप यादव, अमन कुमार, सुनील सैनी, योगेन्द्र, पंकज, अनुबन्धित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एचकेआरएल से विक्रम सिंह, कर्मबीर, नमिता शर्मा, अरूण, हेमलता, गीता मुकेश देवी, लवली, सन्दीप व मुकेश कुमार आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल में रोष प्रदर्शन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

जियो फेंसिंग के विरोध में प्रदर्शन के कारण ओपीडी में लगी लंबी लाइन

महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मचारियों ने जियो फेंसिंग के विरोध में सुबह नौ बजे से दस बजे तक एक घंटे रोष-प्रदर्शन कर विरोध किया। कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन के कारण ओपीडी में लंबी लाइनें लगी रही। स्वास्थ्य विभाग की तालमेल कमेटी व बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन के आह्वान पर सोमवार को नागरिक अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग आफिसर, बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने जीयो फेंसिंग एप लागू करने के विरोध में एक घंटा काम छोड़ विरोध-प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार से इस निर्णय को वापस लेने की मांग की। नर्सिंग आफिसर वेलफेयर एसोसिएशन जिला प्रधान सुशीला ने बताया कि लोकेशन आधारित हाजरी प्रणाली से सरकार हमारे को डिजिटल अरेस्ट की मनसा रखती है। सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक प्रधान रणसिंह मालडा, नर्सिंग आफिसर एसोसिएशन जिला प्रधान सुशीला, एमपीएच एसोसिएशन हरियाणा के पूर्व राज्य उपाध्यक्ष मुकेश चौहान, वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन संजय सैनी, एसटीएस सुरजीत चौधरी सहित दंतक सर्जन एसोसिएशन, फार्मासिस्ट अधिकारी एसोसिएशन, नर्सिंग एसोसिएशन, लैब टेक्नीशिन एसोसिएशन, रेडियो ग्राफर एसोसिएशन, मिनिस्ट्रियल स्टॉफ एसोसिएशन, बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एसोसिएशन, एचकेआरएन प्रधान अशोक लोहमरोड के आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। एसएमओ जयप्रकाश को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

कनीना। बाघेश्वर धाम बागोत में प्राकृतिक स्वयंभू शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

सावन माह के चौथे सोमवार को बागोत में रही शिवभक्तों की भीड़

कनीना। गांव बागोत स्थित बाघेश्वर धाम मंदिर में सावन माह के चौथे सामवार को श्रद्धालुओं की खासी भीड़ रही। जिसे नियत्रिंत करने के लिए पुलिस कर्मचारियों को मशक्कत करनी पड़ी। श्रद्धालु सुबह से ही कतारबद्ध होकर प्राकृतिक स्वयंभू शिवलिंग पर जलाभिषेक करने लगे थे। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए डायल 112 व सदर थाना के पुलिस कर्मचारियों ने पसीना बहाया। बागोत के अलावा गांव गुढ़ा, उन्हाणी, कनीना, धनौंदा, भोजावास, नांगल, ककराला सहित विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक किया गया। मंदिर के महंत रोशनपुरी ने कहा कि भगवान शिव प्राणियों के पालनहार हैं। सावन माह में शिवभक्तों पर उनकी अपार कृपा बरसती है।

बेगपुर में बीडीसी मेंबर के जन्मदिन पर लगाया शिविर, 54 यूनिट रक्त एकत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

बेगपुर निवासी बीडीसी मेंबर अजय कुमार (सोनू) के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज, दिनेश जैलदार व रामपाल दास रहे। मुख्य रूप से उपस्थित सुभाष (सम्मी), सुमित, भारत, सत्येंद्र (सीटू), कपिल (प्रधान), मोनू, सीताराम, अमित नंबरदार, अतरसिंह (साईं रो प्लांट) संदीप मास्टर, प्रदीप आदि भी उपस्थित रहे। महामंडलेश्वर संत रामेश्वर दास ने बताया कि रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा दान है।

इस दान से बढ़कर कोई दान नहीं होता। सभी को इस पुण्य का लाभ उठाना चाहिए और रक्तदान में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। दिनेश जेलदार ने बताया कि रक्तदान अनेक जीवन बचा सकता है। इसलिए सभी युवा बढ़-चढ़कर भाग लें।

इस कैंप में विजय हार्ट अस्पताल का बहुत ही अच्छा योगदान रहा। सबसे अहम बात यह रही कि बेगपुर की महिलाओं ने भी रक्तदान किया। सपना पत्नी लोकेश, ज्योति पत्नी धर्मवीर ने ब्लड दिया और 54 यूनिट रक्त इकट्ठा किया गया।

नारनौल। रक्तदाता को सम्मानित करते मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज। फोटो: हरिभूमि

10 ग्राम 900 मिलीग्राम स्मैक सहित दो को किया गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। सीआईए टीम ने नशीले पदार्थ सहित दो युवकों को काबू किया है, जिनकी पहचान अंकित वासी पाडला थाना खोल, सोनू वासी पाडला थाना खोल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से करीब 10 ग्राम 900 मिली ग्राम स्मैक बरामद की है। आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया। सीआईए टीम गस्त के दौरान पाली बस स्टैंड पर मौजूद थी, टीम को गुप्त सूचना मिली कि अंकित वासी पाडला थाना खोल, सोनू वासी पाडला थाना खोल अवैध मादक पदार्थ बेचने का काम करते हैं और बाइक पर सवार होकर अवैध मादक पदार्थ स्मैक लेकर दादरी से आकोदा होते हुए महेंद्रगढ आएंगे। टीम ने सूचना के आधार पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय आकोदा के सामने पहुंचकर नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू की गई। कुछ समय बाद एक बाइक आती दिखाई दी, जिस पर सवार दो लड़के पुलिस की गाड़ी देखकर भागने की कोशिश करने लगे। जिनको काबू करके नाम पता पूछा तो बाइक चालक ने अपना नाम अंकित व पीछे बैठे लड़के ने अपना नाम सोनू बताया। जिनके पास से पोलिथीन में नशीला पदार्थ स्मैक बरामद हुआ, जिसका पॉलीथीन सहित कुल वजन 10 ग्राम 900 मिलीग्राम पाया गया। पुलिस ने नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया।

दो दिन में तीन वारदात, जैनपुर और आंतरी गांव में अज्ञात चोर गिरोह सक्रिय

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

जैनपुर आंतरी गांव में बीते दो दिनों से अज्ञात चोर सक्रिय है। बीते दो दिनों में दो वारदातों को अंजाम देकर लाखों की नकदी व गहरा चुराकर फरार हो गए। शिकायत मिलने पर घटना स्थल पहुंची पुलिस ने मौका निरीक्षण किया तथा फिंगर प्रिंट लेकर आरोपितों की खोजबीन आरंभ कर दी। दूसरी तरफ ग्रामीणों ने पीसीआर की गश्त बढ़ाने की गुहार लगाई है।

आंतरी के सरपंच बलवंत सिंह ने बताया कि जैनपुर निवासी रामसिंह के परिवार में एक महिला को डिलीवरी होनी थी, प्रसव पीड़ति को जरूरत पड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराना पड़ सकता है। इसलिए उन्होंने लोगों से उधारी लेकर 70 हजार रुपये संदूक में रख रखे थे। बीती रात परिवार सहित खाना खाकर करीब 10 बजे सोए थे, इसी दौरान करीब एक बजे अज्ञात चोर मकान में घुसे हैं, मकान निर्माणाधीन होने के कारण दरवाजे नहीं थे। चोरों ने अलमारी खंगालने के बाद दराज में रखे डिब्बों को चेक किया। जिसमें रखे 70 हजार रुपये निकाल लिए। इसके बाद उन्होंने संदूक में रखे सोने चांदी के आभूषण चुराए और फरार हो गए। इसक बाद लगभग दो बजे आंतरी गांव में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। यहां सुमित्रा पत्नी मदनलाल के घर में घुसे तथा अलमारी में रखे नकली आभूषणों को असली समझकर चुरा लिया।

आभूषणों के साथ पड़े पर्स में करीब 700 रुपये थे, जिन्हें लेकर आरोपित चोर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि चोरी की वारदातों से पुलिस को अवगत करवा दिया है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से अज्ञात चोरों को तत्परता से पकड़ने की गुहार लगाई है, ताकि लोगों में भय का माहौल खत्म हो सके।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने शुरू किया राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- टोल फ्री नंबर 15100 पर भी ले सकते हैं नागरिक जानकारी
- 30 सितंबर तक चलेगा यह अभियान

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने राष्ट्र के लिए मध्यस्थता विषय पर 90 दिवसीय राष्ट्रीय अभियान शुरू किया है। यह अभियान 30 सितंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि वे अपने विवादों को कोर्ट की लंबी प्रक्रिया में ले जाने की बजाय मध्यस्थता से हल करें। यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि इस अभियान के तहत नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है कि मध्यस्थता एक आसान, सस्ता और भरोसेमंद तरीका है। इससे समय और पैसे दोनों की बचत होती है। साथ ही रिश्तों में सुधार आता है।

उन्होंने बताया कि यह प्रणाली खासकर ग्रामीण इलाकों के लिए फायदेमंद है, जहां छोटे मामलों में भी लोग सालों तक न्याय का इंतजार करते हैं। मध्यस्थता के योग्य मामलों में वैवाहिक विवाद, सड़क दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा गैर आपराधिक, चेक बाउंस, उपभोक्ता विवाद, भूमि अधिग्रहण, ऋष्टा वसूली बंटवारा, संपत्ति विवाद, सेवा व व्यवसायिक मामले शामिल हैं। समझौता योग्य आपराधिक मामले भी मध्यस्थता से सुलझाए जा सकते हैं। इस अभियान का लाभ उन लोगों को मिल सकता है। जिनका कोई मामला अदालत में लंबित है और जो पारिवारिक, व्यक्तिगत या व्यवसायिक विवादों में उलझे हैं। उन्होंने बताया कि अदालतें ऐसे पक्षों को मध्यस्थता के लिए भेज रही हैं, ताकि विवाद जल्दी सुलझ सकें। सीजेएम ने बताया कि नागरिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नारनौल व जिला मध्यस्थता केंद्र नारनौल में संपर्क कर सकते हैं। जिस अदालत में मामला लंबित है, वहां से भी जानकारी ली जा सकती है।

इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है। यह अभियान लोगों को सुरक्षित, भरोसेमंद व तेज न्याय प्रणाली से जोड़ने का प्रयास है। इससे समाज में शांति व सहयोग का माहौल बन सकेगा।

ताजीपुर के बालाजी धाम श्री हीरा गिरी महाराज आश्रम में हुई बैठक

गुर्जर समाज दहेज प्रथा, मृत्यु भोज व दिखावे के विरुद्ध लामबंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

बीती देर शाम को जिला के गुर्जर समाज के गणमान्य लोगों की मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करने पर चिंतन-मनन किया गया। धौलेड़ा रोड स्थित गांव ताजीपुर के बालाजी धाम श्री हीरा गिरी महाराज आश्रम में आयोजित बैठक की अध्यक्षता हीरा गिरी महाराज ने की।

गुर्जर कल्याण परिषद के अध्यक्ष कुलदीप सिंह भरगड़ एडवोकेट ने बताया कि समाज में फैली कुरीतियों जैसे मृत्यु भोज और दहेज प्रथा एवं सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध प्रतिबंध लगाने हेतु एवं स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के सपने और विचार अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य, पढ़ी लिखी मां और कर्ज मुक्त समाज के सपने को साकार करने हेतु मौजूद गणमान्य बुद्धिजीवियों ने विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर सचिव उमराव सिंह चंदेला, पूर्व डीएम उपाध्यक्ष संतराम सिराधना व कोषाध्यक्ष कैप्टन रामप्रकाश बलाना से सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करवाया।

नारनौल। ताजीपुर स्थित मंदिर में बैठक करते गुर्जर समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

उन्होंने बताया कि मीटिंग में लिए गए निर्णयों से आगामी 5 अक्टूबर को कोटपूतली के पनियाला मोड़ स्थित देवनारायण गोशाला में (30/40 तहसीलों की सरदारी) वीर गुर्जर महापंचायत आयोजित की जाएगी, जिसमें समाज की मीटिंग में लिए गए निर्णयों पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। इन प्रस्तावों पर देशराज सरपंच जैनपुर, बिदंर सरंपच बलाना, धर्मपाल सरपंच रायमलिकपुर, श्योराम सरपंच मुकुंदपुरा, नीरज सरपंच खरौली, भीम सरपंच मारोली, प्रकाश पूर्व सरपंच बलाना, जगदीश पूर्व सरपंच, रोशन चंदेला नांगल दर्गू, झाबर ठेकेदार पूर्व अध्यक्ष वीर गुर्जर विकास समिति, चेतराम पूर्व सरपंच, राजू धानोता, रामकिशन खटाना, हरीश जांगल, मालाराम एडवोकेट भेडंटी, सुभाष छापड़ा, मुकेश रावत नियामतपुर, प्रकाश मास्टर, बाबूलाल अवाना, डॉ. रामसिंह जैलाफ, चंद्रदीप भरगड़, भजनलाल रावत, ओमप्रकाश रावत, नेतराम रावत एवं अन्य सैकड़ों की संख्या में लोगों ने समाज सुधार की मुहिम से जुड़ कर कुरीतियों के विरुद्ध एकजुट होते हुए सर्व सम्मति से इन प्रस्तावों का समर्थन किया।

बैठक में डॉ. रामावतार चंदेला, डॉ. रामपाल जैलाफ, सूबेदार रामनिवास, हंसराज पनियाला, प्रेमचन्द सरपंच छापड़ा, दीपचंद सरपंच कोका, अनिल सरपंच गोठड़ी, सुरेश कसाना, सतीश रावत, राजाराम गोलवा, राजेश रावत, दाताराम मुकदम, बीरसिंह सरपंच, सुनीता गुर्जर, सत्यपाल सूबेदार, लीलाराम सरपंच बिहारीपुर, रोहताश रावत व सुरेश मूसनौता मौजूद रहे।